पाठ 9

मेघ बजे, फूले कदम्ब

(प्रस्तुत कविताओं में कवि ने बादलों की उमड़-घुमड़ एवं उनकी ध्वनि का स्वभाविक चित्रण एवं सावन में फैली हरियाली तथा फूले हुए कदम्ब वृक्ष का सजीव चित्रण किया है।)

मेघ बजे

धिन-धिन-धा धमक-धमक

मेघ बजे

दामिनि यह गयी दमक

मेघ बजे

दादुर का कंठ खुला

मेघ बजे

धरती का हृदय धुला

मेघ बजे

पंक बना हरिचन्दन

मेघ बजे

हल का है अभिनन्दन

मेघ बजे।

धिन-धिन-धा....

फूले कदम्ब

फूले कदम्ब

टहनी-टहनी में कन्दुक सम झूले कदम्ब

फूले कदम्ब।

सावन बीता

बादल का कोप नहीं रीता

जाने कब से वो बरस रहा

ललचाई आँखों से नाहक

जाने कब से तू तरस रहा

मन कहता है, छू ले कदम्ब

फूले कदम्ब

फूले कदम्ब।

-नागार्जुन

इस कविता के रचयिता श्री 'नागार्जुन' हैं। इनका पूरा नाम वैद्यनाथ मिश्र 'नागार्जुन' है। इनका जन्म सन् 1910 ई0 में बिहार के दरभंगा जिले में हुआ था। इनकी रचनाओं में त्रस्त और पीड़ित मानव के प्रति विशेष सहानुभूति है। 'युगधारा', 'प्यासी पथराई आँखें', 'सतरंगी पंखों वाली' इनकी प्रसिद्ध काव्य रचनाएँ हैं। 05 नवम्बर सन् 1998 में इनका देहावसान हो गया।

शब्दार्थ

दामिनी = बिजली। **दादुर** = मेढक। **पंक** = कीचड़। **हरिचन्दन** = पीला चन्दन, केशर। **अभिनन्दन** = स्वागत। **कन्दुक** = गेंद। **रीता** = खाली होना, समाप्त होना। **नाहक** = व्यर्थ।

प्रश्न-अभ्यास

कुछ करने को

1.चित्र देखिए और बताइए कि वर्षा ऋतु में गाँव में रहने वालों के समक्ष क्या-क्या समस्याएँ हो सकती हैं और उनके निदान के लिए क्या उपाय हो सकते हैं।

2.आपने कविता में पढ़ा-धिन-धिन- धा, धमक-धमक मेघ बजे। यह तबले का एक बोल है, इसी तरह अन्य वाद्ययंत्रों के भी बोल होते हैं। पता लगाएँ- ढोल, सितार, बाँसुरी, हारमोनियम के कौन-कौन से बोल होते हैं।

विचार और कल्पना

1. निम्नांकित कविता को ध्यान से पढ़िए-

बिजली चमकी कड़-कड़-कड़।

बादल गरजा गड़-गड़-गड़।

पानी बरसा तड़-तड़-तड़।

नानी बोली पढ़-पढ़-पढ़।

यह कविता आपके ही एक साथी द्वारा लिखी गयी है। आप भी कविता लिख सकते हैं। नीचे लिखे शब्दों की मदद से ऐसी ही एक कविता की रचना कीजिए-

धमक, चमक, दमक, महक।

2. बताइए, निम्नांकित ऋतुओं में आप अपने आस-पास क्या-क्या परिवर्तन देखते हैं-

(क) बरसात में (ख) जाड़े में (ग) गर्मी में

कविता से

1. (क) 'धरती का हृदय धुला' और 'दादुर का कंठ खुला' से क्या आशय है।

(ख) "जाने कब से तू तरस रहा" पंक्ति में 'तू' किसके लिए प्रयुक्त हुआ है?

(ग) कवि ने कदम्ब के फूलों की तुलना 'कन्दुक' से क्यों की है?

2. इन पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए-

(क) पंक बना हरिचन्दन

हल का है अभिनन्दन

(ख) बादल का कोप नहीं रीता

जाने कब से वो बरस रहा

ललचाई आँखों से नाहक

जाने कब से तू तरस रहा

भाषा की बात

1. निम्नांकित शब्दों के तुकान्त शब्द कविता से छाँटकर लिखिए-

खुला, हरिचन्दन, दमक, रीता, बरस, झूले।

2. कविता की निम्नांकित पंक्तियों को पढ़िए-

'ललचाई आँखों से नाहक

जाने कब से तू तरस रहा'

इनमें 'नाहक' शब्द का प्रयोग हुआ है। यह शब्द अरबी भाषा का है, जिसमें 'ना' उपसर्ग लगा हुआ है। 'ना' उपसर्ग रहित (नहीं) के अर्थ में प्रयोग होता है। इसी तरह के और भी शब्द हैं जैसे- नासमझ.....। आप इस प्रकार के चार शब्दों को ढूँढ़कर लिखिए-